JAA-16070601054100 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. V) (CBCS) Examination

October – 2019

Hindi : *Core-17*

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए।

1 भीष्म साहनी के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए उनके कृतित्व पर प्रकाश डालिए। **15**

अथवा

1 ''कबीरा खड़ा बजार में'' नाटक में लेखक ने तद्‌युगीन समाज का यथार्थ चित्रण किया है – समझाइए। **15**

2 नाटक के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए। **15**

अथवा

2 नाट्य कला के तत्वों के आधार पर ''कबीरा खड़ा बजार में'' नाटक का मूल्यांकन कीजिए। **15**

3 निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : **15**

(1) ''दिन भर रोजा रहत है, रात हनत है गाय।
यह तो खून वह बन्दगी, जैसे खुशी खुदाय।''

(2) ''पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पण्डित भया न कोय।
अढ़ाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पण्डित होय।''

(3) ''कायस्थः तुमने दोनों को नाराज कर रखा है। इससे बड़ी नादानी की बात क्या होगी ? समझदारी से काम लेते, एक वक्त में एक का विरोध करते, तो कम–से–कम दूसरा तो तुम्हारे साथ होता। मस्जिद वालों का विरोध करते तो मन्दिर वाले तुम्हारे साथ होते, तुमने तो दोनों को एक साथ अपना दुश्मन बना लिया है।''

(4) ''कबीर : मेरी फकीरी के लिए घर–बाहर छोड़ने की जरूरत नहीं है। मेरी नजर में हर काम इबादत है।''

(5) ''कोई हिन्दू पूछेगा तो कहूँगा ब्राह्मणी का बेटा हूँ, कोई तुझे पूछेगा तो कहूँगा, नीमा मुसलमानिन का बेटा हूँ। यही ना? इससे हिन्दू भी कोड़े नहीं मारेंगे और तुझे भी कोड़े नहीं मारेंगे। तू यही चाहती है, ना?''

4 ''कबीरा खड़ा बजार में'' नाटक का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। 15

अथवा

4 ''कबीरा खड़ा बजार में'' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 15

5 ''कबीरा खड़ा बजार में'' नाटक में व्यक्त कबीर के क्रान्तिकारी विचार की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

5 कबीर का चरित्र–चित्रण कीजिए। 10